जन प्रकाशन

सत्य ● साहस ● सरोकार

इन्दौर-भोपाल से एकसाथ प्रकाशित janprakashan@gmail.com www.janprakashan.com

वर्ष-9 अंक-36 इन्दौर, गुरुवार, 10 से 16 फरवरी 2022 पृष्ठ-8 मूल्य- 2 रुपए

दो गज की दूरी
मास्क है जरूरी

मुख्यमंत्री चौहान ने होशंगाबाद का नामकरण 'नर्मदापुरम' किया

प्रतिवर्ष मनाया जाएगा नर्मदापुरम गौरव दिवस ■ सभी के सहयोग से मध्य प्रदेश को देश का ही नहीं दुनिया का श्रेष्ठतम राज्य बनाएँ : मुख्यमंत्री

प्राकृतिक खेती व पौधारोपण कर मां नर्मदा का कर्ज चुकायें ■ विशेष अवसरों पर पौधा अवश्य लगाएँ ■ निर्झरणी महोत्सव ने समां बाँधा

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नागरिकों से अपील की है कि वे जहाँ रहते हैं, उस गाँव व शहर का गौरव दिवस जरूर मनायें। गौरव दिवस किस तिथि को मनाना है, यह सर्व सम्मति से तय किया जाए। उन्होंने आज उनका वर्षो पुराना संकल्प पूरा हुआ है और सभी नागरिकों का सपना साकार हुआ है। अब होशंगाबाद संभाग के साथ जिला व शहर का नाम भी नर्मदापुरम हो गया है। मुख्यमंत्री ने इसे अपने चौथे कार्यकाल की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने जिले के बाबई का नामकरण माखननगर करने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री विगत दिवस सेठानी घाट होशंगाबाद पर माघ शुक्ल सप्तमी नर्मदा जयंती के अवसर पर अपनी धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह के साथ सायं माँ नर्मदा का अभिषेक पूजन एवं आरती की। इस अवसर पर संसद राव उदय प्रताप सिंह, विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, सोहागपुर विधायक विजय पाल सिंह, पिपरिया विधायक ठाकुर दास नागवंशी, सिवनीमालवा विधायक प्रेमशंकर वर्मा, म.प्र.खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष जीतेंद्र लिटोरिया, म.प्र. सामान्य वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष शिव चौबे उपस्थित थे।

खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के प्रावधान

मंत्रि-परिषद की बैठक संपन्न

जन प्रकाशन ■ भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के संबंध में अनुमोदन प्रदान किया गया। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण के संबंध में मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 53 तथा मध्यप्रदेश रेत (खनन, परिवहन, भंडारण तथा व्यापार) नियम, 2019 के नियम 20 को इन नियमों से निरसित किया गया है।

मध्यप्रदेश कैबिनेट के महत्वपूर्ण निर्णय

- प्रसिद्ध तीर्थ स्थल ओमकारेश्वर में आचार्य शंकर की 108 फीट ऊंची प्रतिमा संग्रहालय समेत अन्य निर्माण के लिए 2141.81 करोड़ निधि को सैद्धांतिक मंजूरी।
- पुलिस जवान और उनके परिवारजनों के इलाज के लिए भोपाल में आधुनिक सुविधायुक्त 50 बिस्तरों का बनेगा पुलिस चिकित्सालय।
- मध्यप्रदेश खनिज अवैध परिवहन और भंडारण नियम 2022 को दी गई मंजूरी, जिससे अवैध माइनिंग और परिवहन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई, इसके अलावा जुर्माने की राशि को भी बढ़ाया गया।
- मध्यप्रदेश के भोपाल और सीहोर में दो नवीन औद्योगिक पार्क, करीब1650 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किए जाएंगे।

स्कूल शिक्षा मंत्री का यू-टर्न

मेरे बयान का गलत अर्थ निकाला, यूनिफार्म कोड नहीं होगा लागू : मंत्री इंदर सिंह परमार

जन प्रकाशन ■ भोपाल

मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने अपने नए यूनिफार्म कोड वाले बयान पर 24 घंटे के भीतर ही यू-टर्न ले लिया है।

बुधवार को स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि प्रदेश के स्कूलों में नया ड्रेस कोड लागू नहीं होगा, न ही हमारा उस पर कोई काम चल रहा है। जबकि स्कूल शिक्षा मंत्री ने ही एक दिन पहले मंगलवार को मीडिया से चर्चा करते हुए, प्रदेश में नए सत्र से नया ड्रेस कोड लागू करने की बात कही थी। दूसरे दिन बुधवार को मंत्री इंदर सिंह परमार ने अपने बयान में कहा कि मैंने स्कूलों में गणवेश को लेकर बयान जारी किया था। मेरा बयान स्कूलों में समानता, अनुशासन और स्कूल की पहचान के संदर्भ के विषय में था, इसलिए यूनिफार्म कोड लागू करने के विषय मैंने बोला था। लेकिन कुछ लोगों ने उसका गलत अर्थ निकालकर, गलत संदर्भ में पूरे देश के सामने विषय रखा है। मैं उसका खंडन करता हूं। उन्होंने कहा कि फिलहाल हम नया यूनिफार्म कोड लागू नहीं करेंगे और न ही उस पर हमारा कोई काम हो रहा है। परंपरागत रूप से स्कूलों में जैसी व्यवस्था चल रही है, वैसी ही व्यवस्था स्कूलों में गणवेश को लेकर जारी रहेगी। बता दें कि स्कूल शिक्षा मंत्री के बयान को कांग्रेस ने अफसोसजनक बताया था और बयान का विरोध भी किया था।

हिजाब विवाद को लेकर मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार के दो मंत्रियों का अलग-अलग बयान सामने आए हैं। जहां प्रदेश के शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के बयान के बाद दूसरे दिन प्रदेश के गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि, एमपी में हिजाब को लेकर कोई विवाद नहीं है। बता दें कि गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का इस मामले को लेकर जो बयान सामने आया है, उसमें उन्होंने साफ किया है कि हिजाब पर पाबंदी लगाने को लेकर राज्य सरकार के पास कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि हिजाब (पहनने) को लेकर मध्य प्रदेश में कोई विवाद नहीं है। ऐसा कोई भी प्रस्ताव मध्य प्रदेश सरकार के पास विचाराधीन नहीं है, इसलिए कोई भ्रम की स्थिति न रहे। और जहां पर वो विवाद है वहां भी मामला न्यायालय में लंबित है। हाई कोर्ट में लंबित है।

2 आयकर को जड़मूल से बदलें

5 अब बगैर तथ्यों के सीएम हेल्पलाइन...

7 इंदौर में स्थापित होगी लता जी की...

प्रेरक विचार

अनुभव-प्राप्ति के लिए काफी मूल्य चुकाना पड़ सकता है पर उससे जो शिक्षा मिलती है वह और कहीं नहीं मिलती। - **अज्ञात**

संपादकीय

क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल

विडर-19 टीम के युवा खिलाड़ियों ने पांचवीं बार विश्वकप भारत की झोली में डालकर उल्लास का संचार किया। टीम की एकजुटता ने कई खिलाड़ियों के कोरोना पॉजिटिव होने के बावजूद जीत का करिश्मा दिखाया। टीम शुरुआत से ही जीत की लय में दिखी, सभी मैच शानदार तरीके से जीते। उभरते खिलाड़ियों ने देश-दुनिया को बता दिया कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल है। फाइनल में इंग्लैंड को कम स्कोर में समेटकर युवाओं ने जिस तरह से दबाव को संभाला, वह प्रशंसनीय है। बहरहाल, कप्तान यश ढुल-मोहम्मद कैफ, विराट कोहली, उन्मुक्त चंद और पृथ्वी शॉ के रूप में उन सफल कप्तानों की सूची में शामिल हो गये, जिन्होंने भारत की झोली में अंडर-19 विश्वकप डाला। निश्चित रूप से यश ढुल की यश पताका क्रिकेट के आकाश में फहरायेगी, क्योंकि पूर्व के चार कप्तानों में से कैफ, कोहली व पृथ्वी शॉ ने सीनियर टीम में जगह ही नहीं बनायी, अपने खेल से क्रिकेट जगत को आलोकित भी किया। टीम की बल्लेबाजी दमदार व गेंदबाजी सधी रही। गेंदबाजों की गति व स्पिन ने विरोधी टीमों को मुश्किल में डाले रखा। टीम की कामयाबी का एक पक्ष यह भी कि सलामी बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी टूर्नामेंट में शीर्ष रन बनाने व विकेट लेने वालों में शामिल रहा। कप्तान यश का जज्बा देखिये कि कोविड से उबरने के बाद उसने सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 110 रन की विजयी पारी खेली। इस टूर्नामेंट की एक बड़ी उपलब्धि राज बावा का एक हरफनमौला खिलाड़ी के रूप में मिलना है, जिसने फाइनल मैच में इंग्लैंड के खिलाफ न केवल पांच विकेट लिये बल्कि कीमती पैंतीस रन भी बनाकर मैन ऑफ द मैच घोषित घोषित हुआ। निस्संदेह राज बावा में भारत के उस सीम ऑलराउंडर का अक्स उभरा है, जिसकी तलाश भारत को वर्षों से रही है। साथ ही फाइनल में अर्द्धशतक बनाने वाले निशांत सिंधु व उपकप्तान शेख रशीद ने भी भविष्य की उम्मीदें जगायी हैं। -साभार

● मनोज चौबे

आयकर को जड़मूल से बदलें

इस साल के बजट पर मेरा लेख पढ़कर दर्जनों पाठकों ने पूछा कि आपने भारत की आयकर अव्यवस्था पर सख्त टिप्पणी क्यों नहीं की? इस सवाल के जवाब में मैं यही कह सकता हूँ कि मैं तो कई वर्षों से कह रहा हूँ कि भारत में आयकर की जगह जायकर लगाना चाहिए। याने लोगों की आमदनी नहीं, खर्च पर टैक्स लगाना चाहिए ताकि लोग बचत करें और उस बचत की राशि का उपयोग राष्ट्र-निर्माण के लिए भी हो सके। दुनिया के लगभग एक दर्जन देशों में उनके नागरिकों पर आयकर नहीं थोपा जाता है। लेकिन आयकर की जगह जायकर की व्यवस्था लागू करने में काफी पेचीदगियां हैं और उसे लागू करने के लिए सरकारी कर्मचारियों का ईमानदार होना भी बहुत जरूरी है। यदि भारत सरकार में इसे लागू करने का फिलहाल दम नहीं है तो कम से कम वह आयकर व्यवस्था को सुधारने की कोशिश तो करे। इस बजट में कोई कोशिश दिखाई नहीं पड़ी लेकिन पिछली सरकारों ने भी क्या किया? उन्होंने आयकर की सीमा में थोड़ा-बहुत फेर-बदल करके अपना पिंड छुड़ाया। उसका नतीजा क्या हुआ?

उसका सबसे ज्यादा खामियाजा नौकरीपेशा मध्यम वर्ग ने भुगता। देश के 140 करोड़ लोगों में से सिर्फ लगभग 6 करोड़ लोगों ने आयकर के फार्म भरे। उनमें से लगभग आधे लोगों ने टैक्स दिया। याने मुश्किल से 2 प्रतिशत लोग टैक्स भरते हैं, जबकि दुनिया के जापान, जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन जैसे समृद्ध देशों में लगभग 30 से 50 प्रतिशत लोग इनकम टैक्स भरते हैं। भारत के इन दो प्रतिशत लोगों में से डेढ़ प्रतिशत से भी ज्यादा लोग मध्यम वर्ग के नौकरीपेशा लोग हैं। वे अपनी आमदनी छिपा नहीं सकते, लेकिन जो करोड़पति, अरबपति और खरबपति लोग हैं, उन पर इतना ज्यादा टैक्स थोप दिया जाता है कि वे टैक्स बचाने के एक से एक नए तरीके खोज लेते हैं। उन्हें टैक्स-चोरी के लिए मजबूर किया जाता है। लेकिन देश के किसानों पर कोई टैक्स नहीं है। छोटे किसानों को जाने दें लेकिन 5-10 एकड़ से ज्यादा के किसानों पर टैक्स क्यों नहीं है? खेती के नाम पर नेताओं, अफसरों और मोटे पूंजीपति अपनी अरबों रुपए की काली कमाई को उजली करते रहते हैं। जिन गरीब लोगों से सरकार आयकर नहीं लेती है, वे भी जीवनभर अपना पेट काटकर तरह-तरह के टैक्स भरते रहते हैं, इसीलिए मेरा सुझाव यह है कि आयकर की मात्रा काफी घटानी चाहिए और देश के कम से कम 60-70 करोड़ लोगों को आयकरदाता बनाना चाहिए। इसमें बड़े और मध्यम किसानों को भी जोड़ना चाहिए। इसके अलावा देश के लगभग 14-15 करोड़ ऐसे लोगों को जो 60 साल से ऊपर हैं, उन्हें सरकार को कम से कम 10 हजार रु. प्रति मास मानदेय देना चाहिए। यह सर्वथा व्यावहारिक प्रस्ताव है। बशर्ते कि आयकर की व्यवस्था में क्रांतिकारी सुधार हो। इस लोक-कल्याणकारी प्रस्ताव के बारे में विस्तार से आगे कभी लिखेंगे। इस प्रस्ताव को लागू करने के लिए महाराष्ट्र में लातूर के प्रसिद्ध समाजसेवी अनिल बोकील ने जबर्दस्त अभियान शुरू किया है। मेरे परम प्रेमी मित्र थे वही बोकील हैं, जिनकी 2014 में मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट करवाई थी और जिनसे महाभारत के अभिमन्यु की तरह अधकचरा ज्ञान लेकर मोदी ने देश पर नोटबंदी थोप दी थी और अभिमन्यु की भांति चक्रव्यूह में फंस गए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद् के अध्यक्ष और अफगान मामलों के विशेषज्ञ हैं)

dr.vaidik@gmail.com

छात्रा ने फांसी लगाकर जान दी

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

सूत्रों ने बताया कि 11वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। छात्रा केमेस्ट्री का पेपर बिगड़ने से तनाव में थी। मनस्वी नाम की ये छात्रा ऑनलाइन क्लास के कारण ढंग से पढ़ाई नहीं कर पा रही थी। जिससे उसके केमेस्ट्री सब्जेक्ट कमजोर रह गया। इसे लेकर भी वो बहुत उलझन में थी। और जब उसका केमेस्ट्री का पेपर बिगड़ गया, तो उसने घर आकर फांसी लगाई ली। पुलिस ने छात्रा का मोबाइल जब्त कर लिया है। छात्रा का नाम मनस्वी वर्मा पिता प्रदीप वर्मा निवासी लाल बहादुर शास्त्री नगर था।

यूपी में पहले चरण का मतदान आज

नई दिल्ली (जप्र)। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 10 फरवरी को होना है। बीते दिन चुनाव प्रचार का आखिरी दिन था। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों ने अपने बड़े-बड़े और दिग्गज नेताओं को चुनावी मैदान में उतार दिया । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां वर्चुअली जनसभा को संबोधित किया वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सपा अध्यक्ष के साथ प्रेस कांफ्रेंस की। इसके अलावा बीजेपी की तरफ से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी का चुनावी घोषणा पत्र भी जारी किया।

बता दें कि रविवार को लता मंगेशकर के निधन की वजह से बीजेपी ने चुनावी घोषणा पत्र लॉन्चिंग का कार्यक्रम टाल दिया था। पहले चरण में उत्तर प्रदेश के 11 जिलों की कुल 58 सीटों के लिए 10 फरवरी को मतदान होना है। ये 11 जिले हैं शामली, मेरठ, मुजफ्फरनगर, बागपत, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मथुरा, आगरा और अलीगढ़।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी पहले चरण में मतदान वाले विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया और घर-घर जाकर वोट मांगे। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की अगुवाई में गठबंधन ने भी जमकर प्रचार किया।

राशिफल

मेष

व्यापार-व्यवसाय के क्षेत्र में आशानुकूल लाभ होने की संभावना बनती है। अन्यथा साहस नहीं करें। आपके कार्यों की प्रशंसा होगी।

वृष

गैरजरूरी वाद-विवाद से बचकर रहें। पुरानी उधारी, लेनदारी में सफलता मिलेगी। नवीन कार्य रचनाओं को साकार रूप दे सकते हैं।

मिथुन

नौकरीपेशा के पदोन्नति की संभावना है। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग बनने से लाभ की आशा प्रबल होगी।

कर्क

प्रभावी वातावरण रहेगा। कामकाज में मन लगेगा। पारिवारिक समस्याओं का निकाल होकर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा।

सिंह

क्रोध, उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग बनने से लाभ की आशा प्रबल होगी। प्रवास में सतर्कता आवश्यक।

कन्या

आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज में आशानुकूल अवसर प्राप्त होंगे। विरोधी अपने मंतव्य में कामयाब नहीं हो पाएंगे।

तुला

स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। साझेदारी की समस्या का निराकरण होगा। पुरानी उधारी, लेनदारी में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक

बोलचाल की भाषा में सावधानी जरूरी है। धन-संपत्ति में बढ़ोतरी होकर आत्मप्रसन्नता का अनुभव होगा।

धनु

व्यापार मध्यम। संतान के व्यवहार से मन दुखी होगा। आर्थिक स्थिति को लेकर चिंता रहेगी। समय पर कार्य पूरा न होने से तनाव रहेगा।

मकर

अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कुंभ

पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। सोच-समझकर निर्णय लेने से लाभ होगा। निराशा के वातावरण से बाहर निकल सकेंगे।

मीन

महत्वपूर्ण कार्यों में प्रतिबद्ध होकर स्वयं सक्रिय होना आवश्यक है। साझेदारी की समस्या का निराकरण होगा। वैवाहिक प्रस्ताव आएंगे।

पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र के निर्देश पर इंदौर शहर में चौराहे पर लगे अपराधियों के पोस्टर

पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र का कहना है आने वाले दिनों में शहर के लिस्टेड बदमाशों, गुंडों जिन पर गंभीर मामले दर्ज हैं, इन आरोपियों के फोटो चौराहों पर लगाए जाएंगे। जल्द ही आने वाले दिनों में हर थाना क्षेत्र के बाहर लिस्टेड बदमाशों की जानकारी थाने सहित, चौराहे पर भी सार्वजनिक की जाएगी।

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

इन्दौर शहर में अपराधों को रोकने के लिए पुलिस विभाग ने अनोखा तरीका अपनाया है। खासकर चोरी करने वाले वाहन चोरों के खिलाफ पुलिस पूरी तरह मैदान में उतर आई है। हाल में ही पुलिस विभाग ने अपराधियों को पकड़ने के लिए अनोखा तरीका अपनाया है, जिसमें थाने के बाहर लिस्टेड बदमाश और चिन्हित अपराधियों के फोटो लगे होर्डिंग लगाए जाएंगे। इसकी शुरुआत सबसे पहले विजय नगर थाने ने की गई है। जहां विजय नगर पुलिस ने विजय नगर चौराहे पर 12 वाहन चोरों के फोटो एक बड़े से होर्डिंग में लगाए हैं। ये लोग वे शातिर वाहन चोर और अपराधी हैं, जो महज दो से तीन मिनट में बाइक चोरी कर लेते है।

इन आरोपियों ने विजय नगर थाना क्षेत्र में ही 23 दिन में 56 से अधिक बाइक चोरी की थी। सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की पुलिस ने पहचान की और इनके बड़े पोस्टर चौराहे पर टांग दिए हैं। पुलिस ने पोस्टर होर्डिंग में लिखा है कि इन आरोपियों की जानकारी देने वालों को पुलिस की तरफ से उचित इनाम दिया जाएगा और उनकी पहचान भी गोपनीय रखी जाएगी। खास बात यह है कि पोस्टर में विजय नगर थाने और थाना प्रभारी का नंबर दिया गया है। जिससे आम जनता आसानी से पुलिस को इन आरोपियों की जानकारी दे सके। वहीं पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र का कहना है आने वाले दिनों शहर के लिस्टेड बदमाशों, गुंडों जिन पर हत्या, लूट, अड़ीबाजी, ब्लैक मेलिंग, दुष्कर्म, चाकूबाजी और ड्रग्स तस्करी व अवैध वसूली से जुड़े कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

इन आरोपियों के फोटो चौराहे

पर लगाए जाएंगे। जल्द ही आने वाले दिनों में हर थाना क्षेत्र के बाहर लिस्टेड बदमाशों की जानकारी थाने सहित, चौराहे पर भी सार्वजनिक की जाएगी। इसके अलावा फरार आरोपियों के फोटो भी शहर में लगाए जाएंगे। जिससे पुलिस को आसानी से इन अपराधियों के बारे में जानकारी मिल सके और उन पर तत्काल कार्यवाही की जा सके। अपराधियों के खिलाफ पुलिस की मुहिम लगातार जारी है। बड़े शहरों में वाहन चोरी और अपराध पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती है। कई मामलों में स्थानीय अपराधियों के साथ-साथ बाहर के अपराधी भी संलग्न होते हैं। इसको देखते हुए पुलिस ने आम जनता को जागरुक करते हुए कई अभियान भी चलाए हैं। कई बार अपराधी अपने क्षेत्र में घटना को अंजाम न देने की बजाए दूसरे स्थान पर घटना को अंजाम देते है। इसलिए पुलिस ने जिस क्षेत्र में घटना हुई है वहां इनके पोस्टर लगाए है। ताकि आम जनता को उनके बारे में जानकारी मिल सके कि कहीं आपके अडोस-पड़ोस में रहने वाला व्यक्ति अपराधी तो नहीं है। आने वाले दिनों में हर थाना क्षेत्र में अपनाया जाएगा यह तरीका। अपराध की चुनौतियों से निपटने के लिए जनता की सहभागिता बहुत जरूरी है।

इंदौर रेलवे स्टेशन के पास इंजन हुआ डिरेल

- पटरी टूटने के कारण हुआ हादसा
- उज्जैन से टूल इक्विपमेंट गाड़ी पहुंची इन्दौर
- राहत कार्य जारी
- रेल यातायात में कोई बाधा नहीं

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

इंजन ट्रैक से उतरकर 200 मीटर दूर तक झाड़ियों में जा पहुंचा। सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे और इंजन को ट्रैक पर लाने का काम शुरू किया गया। यह घटना इंदौर रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूर राजकुमार ब्रिज के नीचे बने यार्ड के पास हुई। अधिकारियों ने इंजन को ट्रैक पर वापस लाने का काम शुरू किया। बताया जा रहा है कि ट्रेन को पटरी पर लाने के लिए 2 से 3 घंटे लग सकते हैं। इंदौर के प्लेटफॉर्म नंबर 6 के पास यह घटना बुधवार सुबह करीब 9 बजे के आसपास हुई।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उज्जैन से सुबह ट्रेन इंदौर आई थी, जिसके बाद इंजन को ट्रेन के पीछे लगाया जाना था।

इंजन यार्ड में पहुंचा जहां इंजन को रूकना था वह न रुकते वह आगे बढ़ गया और ट्रैक से नीचे उतर कर 200 मीटर दूर झाड़ियों में जा पहुंचा।

इन्दौर कलेक्टर की जनसुनवाई में भू-माफियाओं पर कसा शिकंजा

पवन जैन, एडीएम

मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीएम पवन जैन ने कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे में 18 जनवरी के फुटेज निकालने के निर्देश दिए हैं और आईडेंटिफाई होने पर व्यक्ति पर उचित कार्रवाई करने की बात कही है।

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

कलेक्टर कार्यालय में प्रति मंगलवार होने वाली जनसुनवाई में अधिकांश प्लाट, मकान धोखाधड़ी सहित बुजुर्गों को उन्हीं के बच्चों द्वारा सताने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। जिस पर अपर कलेक्टर ने बुजुर्गों की देखभाल के लिए बच्चों से आग्रह किया है।

उल्लेखनीय है कि इंदौर कलेक्टर कार्यालय में जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, नगर निगम द्वारा भू माफियाओं पर लगातार शिकंजा कसने के बावजूद भी छोटे-मोटे भू माफिया अभी भी जमीनी हेराफेरी करते हुए नजर आ रहे हैं। जिसके दर्जनों मामले मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में जन सुनवाई के दौरान नजर आए। जिनमें अधिकांश मामले कालिंदी गोल्ड और फिनिक्स टाउनशिप के रहवासियों द्वारा रजिस्ट्री को लेकर जिला प्रशासन को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। तो वहीं जन सुनवाई के दौरान दर्जनों की संख्या में ऐसे बुजुर्ग भी आए हैं, जिन्होंने अपने बच्चों के खिलाफ ही शिकायत की है कि, उनसे उन्हीं के बच्चे आमानवीय व्यवहार कर सता रहे हैं और उन्हें घर से भी निकाला जा रहा है। इस पूरे मामले को लेकर अपर कलेक्टर का कहना था कि बुजुर्ग हमारे घर की शोभा होते हैं। उन्हें सम्मान देकर हमें देखभाल करनी चाहिए अन्यथा बुजुर्ग के कहे अनुसार संवैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी आवेदन देकर जीवित को बताया कोरोना से मृत

कलेक्टर कार्यालय की जनसुनवाई में एक अनूठा मामला सामने आया है। दरअसल फर्जी दस्तावेज लगाकर मृत व्यक्ति के नाम से कलेक्टर जनसुनवाई में कोरोना मृतक की राशि निकालने के लिए दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे, जिसको लेकर पीड़ित जनसुनवाई में पहुंचा। जहां जनसुनवाई अधिकारी एडीएम पवन जैन ने कलेक्टर कार्यालय में लगे सीसीटीवी फुटेज निकाल कर जांच करने की बात कही।

हितेश पिता जानकीलाल

दरअसल इंदौर के सांवेर क्षेत्र के रहने वाले जानकीलाल को कोरोना से मृत बता कर अज्ञात व्यक्ति ने फर्जी दस्तावेज लगाकर कोरोना की अनुग्रह राशि के लिए, छोटे बेटे अभिषेक के नाम पर कलेक्टर कार्यालय में आवेदन किया गया था। जिसको लेकर कोविड से मृत व्यक्ति जानकीलाल अपने बेटों के साथ कलेक्टर जनसुनवाई में पहुंचा। उन्होंने बताया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा 18 जनवरी को अभिषेक के नाम से कलेक्टर कार्यालय में फार्म जमा किया गया है जिसमें कोविड-19 रिपोर्ट, आधार कार्ड, बैंक की पासबुक सहित अन्य जरूरी दस्तावेज भी दिए गए हैं।

वहीं सांवेर निवासी जानकीलाल का कहना है कि उन्हें क्षेत्र के पटवारी के माध्यम से जानकारी मिली थी कि उनके नाम से कोरोना सहायता की 50,000 राशि जारी हुई है। जिसके बाद परिवार हरकत में आया और उन्होंने तुरंत मामले को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर कार्यालय जनसुनवाई में पहुंचे और अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ पूरी जानकारी दी। साथ ही परिजनों का कहना है कि किसी परिचित द्वारा यह हरकत की गई है ताकि बेटे और बाप को फंसाया जा सके। परिजन 18 जनवरी के कलेक्टर कार्य में लगे सीसीटीवी फुटेज में अज्ञात व्यक्ति की तलाश की मांग कर रहे है ।

बड़े भाई की भलाई का बुरा सिला दिया छोटे भाई ने...

भाई के मकान में रहने के बाद कहने लगा मैं खाली नहीं करूंगा

इन्दौर (जन प्रकाशन)। पुलिस पंचायत में बुधवार को 15 प्रकरण आए, उसमें से 9 में समझौता हुआ है और 6 प्रकरण में अगले बुधवार की पेशी लगाई गई है।

केस-1

एक 70 वर्षीय सीनियर सिटीजन द्वारा शिकायत की गई थी कि उनके दो बेटे हैं दोनों ही उन का भरण पोषण नहीं करते हैं। उनके पति विकलांग है उनके इलाज के लिए भी उनके पास पैसे नहीं रहते हैं। इस पर पुलिस पंचायत में दोनों बेटों को समक्ष में बुलाकर समझाइश दी गई,दोनों में समझौता हुआ है।

केस-2

सीनियर सिटीजन द्वारा शिकायत की गई थी उन्होंने मकान किराए से दे रखा था परन्तु किराएदार मकान खाली नहीं कर था, ना हीं किराया टाइम से देता था और परेशान भी करता था?। इस पर किराएदार को समझाइश दी गई है कि, वह टाइम से किराया दे तथा आपस में चर्चा का समस्या का समाधान करें।

केस-3

पुलिस पंचायत में 70 वर्षीय सीनियर सीनियर सिटीजन द्वारा शिकायत की गई थी उनके दो बेटे हैं दोनों बेटे ही उन्हें बहुत परेशान करते हैं। उन्होंने बड़ी मुश्किल से पूंजी जमा कर मकान खरीदा था कि वहां अच्छे से रहेंगे। लेकिन लड़के उन्हें अच्छे से नहीं रखते हैं, भरण-पोषण भी नहीं देते हैं। नगर निगम में कचरा शुल्क भी नहीं भरते हैं सभी शुल्क उन्हीं को भरना पड़ता है, इससे वह अत्यधिक परेशानी में हैं। दोनों पक्षों को समक्ष में बुलाकर समझाइश दी गई। लड़कों ने कहा कि वह अपने पिता का ध्यान रखेंगे और किसी प्रकार से परेशान नहीं करेंगे दोनों पक्षों में समझौता हुआ है। उन्होंने यह भी कहा है कि वह नगर निगम के जितने भी शुल्क हैं वह स्वयं ही जमा करेंगे ।

केस-4

पुलिस पंचायत में पिछले दिन उस वक्त सबकी आंखें नम हो गई जब एक सीनियर सिटीजन अपनी विकलांग लड़की को लेकर पुलिस पंचायत में आए उन्होंने बताया कि उन्होंने 2 लाख रुपए उधार दिए थे।उसके फलस्वरूप उन्हें 50- 50 हजार के चेक भी दिए गए थे। परन्तु बहुत मांगने पर भी उन्हें पैसे नहीं मिल रहे थे, जिसके कारण उनकी बेटी की शादी भी नहीं हो रही थी। और वह उसका इलाज भी नहीं करा पा रहे थे। पुलिस पंचायत ने उनकी समस्याओं को सुना और अगली बार को अनस आवेदक को बुलाया जाएगा।

केस-5

एक 62 वर्षीय सीनियर सिटीजन द्वारा शिकायत की गई रिटायरमेंट के बाद उन्होंने घर बनवाया था। उनकी दो बेटियां है जिसकी उन्हें शादी करनी थी। छोटा भाई घर के पास में ही किराए से रहता था, उसने कहा कि मकान मालिक मकान खाली करा रहे कुछ दिनों के लिए आप मुझे अपने घर में जगह दे दो। तो उन्होंने कहा ठीक है, इसके बाद छोटे भाई ने उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया और कहा कि मैं तुम्हारा मकान खाली नहीं करूंगा, तुमसे जो करते बने कर लो। वह इस समय अत्यधिक परेशान है क्योंकि उन्हें अभी अपनी बेटियों की भी शादी करनी है। पुलिस पंचायत ने उनकी समस्याओं को सुना और अगले बुधवार की पेशी लगाई गई।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग का इन्दौर दौरा

- मोदी वेक्सीन देश को कोरोना से बचा पाया, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने वेक्सीन को मोदी वेक्सीन का नाम दिया। कोरोना की तीसरी लहर में मोदी वेक्सीन ही काम आई।
- प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज में जल्द ही जीनोम सीक्वेंसिंग मशीन दी जा रही है और जल्द ही मशीन लगाई जाएगी। प्रदेश में जल्द ही मरीज के लिए मित्र योजना शुरू होने जा रही है।
- इंदौर के डेंटल कॉलेज को कैंसर के लिए मशीन देने की घोषणा भी की गई है। इसके साथ ही डेंटल कॉलेज की और प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेज में भी पीजी की सीटें बढ़ाए जाने की बात मंत्री विश्वास सारंग ने कही।

- **एमजीएम मेडिकल कॉलेज समेत अलग-अलग बैठकों में हुए शामिल**
- **एमवाय, सुपर स्पेशलिटी चाचा नेहरू हॉस्पिटल और मानसिक आरोग्य चिकित्सालय का निरीक्षण**

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

इंदौर पहुंचे मंत्री विश्वास सारंग का बयान सामने आया है जिसमें उन्होंने कहा कि, मध्यप्रदेश में इज ऑफ हेल्थ सर्विसेज के साथ पूरे सिस्टम को सिंक्रोनाइज करते हुए व्यवस्थाएं की जाएंगी दुरुस्त। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य जहां मेडिकल की पढ़ाई की जाएगी हिंदी में शुरू। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल में इसी सत्र से शुरू होगी हिंदी में पढ़ाई।मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल में उचित ट्रेनिंग और

लोगों को मिलेगा स्वास्थ्य का अच्छा लाभ । मंत्री सारंग ने बताया कि मध्यप्रदेश में अब मेडिकल की पढ़ाई हिन्दी में शुरू होगी। इसका खाका भी तैयार कर लिया गया है। शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने एमजीएम मेडिकल कॉलेज के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में अलग-अलग प्रोफेसर से उनके सुझाव भी मांगे गए है। वहीं,हिन्दी मेडिकल का पाठ्यक्रम भी तैयार करने के लिए कहा गया है। पाटलेट प्रोजेक्ट के तौर पर भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में फर्स्ट इयर से हिन्दी के पाठ्यक्रम को लागू किया जाएगा। मंत्री विश्वास सारंग के मुताबिक मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बनने वाला है, जहां मेडिकल की पढ़ाई हिन्दी में शुरू की जाएगी। मेडिकल पाठ्यक्रम हिन्दी में शुरू करने का मकसद केवल छात्रों की सहुलियत के लिए शुरू किया गया है।क्योंकि कई छात्र हिन्दी मीडियम से आते है, इसकी वजह से उन्हें पढ़ाई में दिक्कते आती है। पाठ्यक्रम में क्लिस्ट हिंदी के शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। छात्रों को समझ आए ऐसा पाठ्यक्रम तैयार किया जाएगा। इसे हिन्दी और अंग्रेजी से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। इसके अलावा सरकार जल्द ही इज ऑफ हेल्थ सर्विसेस के जरिए पूरे स्वास्थ्य महकमे का सिंक्रोनाइज किया जाएगा।

सीएम हेल्पलाइन पर हो रही शिकायतों के नहीं हो रहे निराकरण

अब बगैर तथ्यों के सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत करना मंहगा पड़ेगा

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

इंदौर में सीएम हेल्पलाइन नंबर पर हो रही शिकायतों के निराकरण के लिए जहां एक और अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं, तो वहीं ऐसे शिकायत कर्ताओं को भी चिन्हित किया जा रहा है जो बिना तथ्यों के शिकायत कर ब्लैक मेलिंग का कार्य कर रहे हैं। उन पर भी आने वाले दिनों में कार्रवाई की बात कही गई हैं।

इंदौर सहित प्रदेश के तमाम जिले सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों को लेकर लगातार पिछड़ते नजर आ रहे है। इस पिछड़ते आंकड़े को लेकर स्वयं मुख्यमंत्री भी कई बार अधिकारियों की बैठक ले चुके हैं।

अब पूरे मामले में इंदौर के अपर कलेक्टर पवन जैन का कहना है कि कुछ लोग बिना

तथ्यों के आधार पर ब्लैक मेलिंग के उद्देश्य से कई बार एक ही व्यक्ति की बार- बार शिकायत करते है। लेकिन जब उस शिकायतकर्ता को बुलाया जाता है और उसके शिकायत के तथ्य और कागज, दस्तावेज जांचे जाते हैं तो उनके पास शिकायत के उचित दस्तावेज व प्रत्यय नहीं पाए जाते हैं।

उनका उद्देश्य केवल ब्लैक मेलिंग करना होता है, ऐसे लोगों को चिन्हित कर आने वाले समय में कार्रवाई करने के साथ ही ऐसे अधिकारियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं।

जिन्होंने पिछले दिनों शिकायतों का उचित निराकरण ना करने के साथ ही शिकायत सुनने में भी उनका ग्राफ कम रहा हो । इन सभी को नोटिस जारी कर कारण पूछा गया है, कारण सामने आने के बाद ऐसे अधिकारियों पर भी गाज गिरने की संभावना जताई जा रही है।

केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शेयर की खूबसूरत तस्वीर

पूरा होने की कगार पर दुनिया का सबसे ऊंचा आर्क ब्रिज

नई दिल्ली (जप्र)। दुनिया के सबसे ऊंचे पुल चिनाब ब्रिज का निर्माण कार्य पूरा होने की कगार पर हैं। इस ब्रिज का निर्माण जम्मू-कश्मीर चिनाब नदी पर किया जा रहा है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने ट्विटर हैंडल के जरिए एक तस्वीर भी शेयर की है।

केंद्रीय मंत्री ने तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है- बादलों के ऊपर दुनिया का सबसे ऊंचा आर्क चिनाब ब्रिज। इस ब्रिज की ऊंचाई इतनी है कि बादल उसके नीचे आ गए हैं। चिनाब नदी पर बन रहे इस पुल की तल से ऊंचाई 359 मीटर है। इस पुल के बन जाने के बाद से कश्मीर घाटी बाकी भारत से जुड़ जाएगा।

इस पुल का निर्माण भारत के लिए एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। इस रेलवे ब्रिज के इस साल मार्च तक पूरा होने की संभावना है।

कोंकण रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड उधमपुर- श्रीनगर- बारामूला रेल लिंक परियोजना के तहत 111 किलोमीटर लंबे चुनौतीपूर्ण मार्ग पर चिनाब पुल का निर्माण कर रही है।

यह घाटी को देश के बाकी हिस्सों से रेलवे के माध्यम से जोड़ेगा। इस पुल की ऊंचाई का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि यह एफिल टॉवर (जिसकी ऊंचाई 324 मीटर है) से 35 मीटर अधिक ऊंचा होगा।

चिनाब पुल की लंबाई 17 स्पैन के साथ 1,315 मीटर होगी, जिसमें से चिनाब नदी के पार मुख्य आर्क की लंबाई 467 मीटर होगी।

सड़क निर्माण में बाधक सामुदायिक शौचालय तोड़ा

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

जवाहर मार्ग पुल से चंद्रभागा पुल के बीच साउथ तोड़ा की सड़क निर्माण के लिए नगर निगम ने बुधवार को चंद्रभागा पुल के पास बाधक सामुदायिक शौचालय को तोड़ दिया। अब यहां नाले किनारे रिटेनिंग वाल का निर्माण किया जाएगा।

इसके लिए बुधवार रात को नगर निगम की टीम द्वारा मलबा हटाए जाने के बाद गुरुवार से खोदाई का काम भी शुरू किया जाएगा।

स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा जवाहर मार्ग पुल से चंद्रभागा पुल के बीच 370 मीटर लंबी व 24 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जा रही है। चंद्रभागा पुल के आगे पागनीसपागा तक इस रोड का निर्माण किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि इस रोड के निर्माण के लिए महल कचहरी समेत इस क्षेत्र से अभी तक 300 परिवारों को शिफ्ट किया जा चुका है और 100 मकानों को तोड़ा जा चुका है। वर्तमान में महल कचहरी का मकान नंबर 47 इस रास्ते में बाधक है, जो अभी तोड़ना बाकी है।

यह दो मंजिला मकान काफी जीर्णशीर्ण है जिसे निगम जल्द ही तोड़ेगा। स्मार्ट सिटी कंपनी के अधिकारी डीआर लोधी के मुताबिक इस भवन को सेंट्रल पीडब्ल्यूडी व एसजीएसआइटीएस की टीम ने निरीक्षण के बाद जर्जर घोषित किया है। इस मकान के पास में एक मंदिर है। यहां रोज सैकड़ों लोग दर्शन करने आते हैं। ऐसे में इस जर्जर भवन के गिरने के कारण हादसा होने की संभावना है। यह मकान 800 वर्गफीट प्लाट पर बना हुआ है। इस भवन की जर्जर रिपोर्ट के आधार पर इसे तोड़ने का निर्णय लिया जाएगा।

कुछ समय बाद मीटर रीडिंग के साथ ही मिलेगा मोबाइल पर बिल

जबलपुर (जप्र)। प्रदेश में बिजली के बिल बांटने और जमा करने की सुविधा में बदलाव की तैयारी हो रही है। बिजली कंपनी उपभोक्ता को मौके पर मीटर की रीडिंग के साथ ही बिल भी देने की तैयारी कर रही है। ये बिल भी डिजिटली होगा, जो ई-मेल, मोबाइल पर एसएमएस अथवा वाट्सएप के जरिए भेजा जाएगा। करीब तीन माह इस बदलाव में लगेगा। अभी ऊर्जा विभाग प्रदेश की तीनों वितरण कंपनी के चुनिंदा शहरों में इसे पायलेट प्रोजेक्ट की तरह चलाएगा। बुधवार को ऊर्जा सचिव संजय दुबे ने इस संबंध में मप्र पावर मैनेजमेंट कंपनी के मुख्यालय शक्तिभवन में अफसरों के साथ बैठक की। पूर्व क्षेत्र कंपनी के प्रबंध संचालक अनय द्विवेदी के साथ उपभोक्ताओं को पेपरलेस बिल भेजने पर चर्चा की गई। ऊर्जा सचिव ने बताया कि बिल डिजिटल देने से बिल जो कागज में प्रिंट करवाना पड़ता है उसका खर्च और समय दोनों की बचत होगी। उपभोक्ता के पास बिल पहुंचने में अभी 8-10 दिन का वक्त लगता है। पहले रीडिंग फिर बिल बांटने में दोहरा श्रम भी खर्च होता है इसलिए व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है ताकि उपभोक्ता को जहां सीधे उसके मोबाइल पर बिल उपलब्ध होगा ताकि बिल की राशि भी समय पर जमा हो सके। समीक्षा बैठक में पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी, डायरेक्टर टेक्निकल अविनाश कुमार वाजपेयी, पावर जनरेटिंग कंपनी के डायरेक्टर कमर्शियल प्रतीश कुमार दुबे के अलावा सभी विद्युत कर्पनियों के वरिष्ठ अभियंता उपस्थित रहे।

दुबई जाने आई 37 साल की महिला सहित तीन यात्री निकले कोरोना पाजिटिव

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

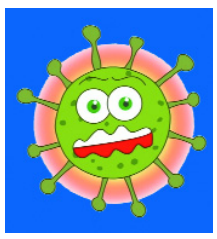

दुबई जाने वाली उड़ान के लिए देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जांच के दौरान 37 वर्षीय महिला सहित तीन यात्री कोरोना संक्रमित पाए गए। एक महिला के अलावा पाजिटिव पाए गए अन्य दो यात्री पुरुष हैं। सभी संक्रमित इंदौर के ही हैं। उल्लेखनीय है कि शहर में कोरोना संक्रमितों की संख्या में कमी आ रही है। इसका असर यहां भी दिखाई दे रहा है, क्योंकि दुबई के लिए जाने वाली पिछली कुछ उड़ानों के लिए पहुंचे यात्रियों के पाजिटिव निकलने की संख्या में भी कमी आई है। यह आकंड़ा छह, पांच, चार रहा था। सूत्रों ने बताया कि इंदौर से दुबई जाने वाली फ्लाइट में कुल 127 यात्रियों की बुकिंग थी, जो दोपहर को रवाना होनी थी। इसमें 116 वयस्क यात्री और 11 बच्चे हैं। सभी यात्रियों की कोरोना जांच की गई, जिनमें से तीन यात्री कोरोना पाजिटिव निकले। हवाई अड्डे पर जांच में पाजिटिव पाई गई महिला ओल्ड पलासिया क्षेत्र की है। पाजिटिव पाया गया एक पुरूष यात्री दोबारा पाजिटिव निकला है।

विहिप ने आज उज्जैन बंद कराने की घोषणा की

जन प्रकाशन ■ उज्जैन

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के प्रांत मंत्री सोहन विश्वकर्मा ने 10 फरवरी को उज्जैन शहर बंद कराने की घोषणा की है। विगत दिनों उन्होंने मीडिया से कहा कि सरकार अतिक्रमण हटाए। मंदिर और वैध मकान-दुकानें तोड़ना बंद करें।

महाकाल मंदिर क्षेत्र से से लोगों को हटाकर रोजगार छीनने की जो योजना है वह बिल्कुल ठीक नहीं है। विकास और सुंदरीकरण हो, मगर ऐसे नहीं, जिससे किसी का वैध मकान, दुकान टूटे। उससे उसका रोजगार छीन जाए। स्थिति से अधिकारियों और मंत्री को को अवगत कराया है। हमारी मांग है कि महाकाल विस्तारीकरण में आ रहे सती माता मंदिर को अविलंब पुन: पूर्ण विधि- विधान के साथ विद्वतजनों की उपस्थिति में स्थापित किया जाए। महाकाल क्षेत्र में पूर्व दिशा के 155 हिन्दू रहवासियों के मकान मालिकों को दिए धारा 11 के नोटिस को तत्काल निरस्त किया जाए। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार महाकाल मंदिर से 500 मीटर के दायरे में हुए अतिक्रमण और सिंहस्थ क्षेत्र जूना सोमावरिया, वीर दुर्गादास राठौर समाधि स्थल के आसपास के अतिक्रमण अविलंब हटाए जाएं। महाकाल मंदिर आने वाले प्रमुख मार्गों पर मांस, अंडे का विक्रय प्रतिबंधित किया जाए।

प्रेस कांफ्रेंस में नंदलाल गंडोदीया संगठन प्रान्तमंत्री, सोहन विश्वकर्मा प्रान्त मंत्री विहिप मालवा प्रान्त, महेश आंजना बजरंग दल, विहिप के विभाग मंत्री महेश तिवारी, विहिप के नगर जिला अध्यक्ष अशोक जैन चायवाला एवं बजरंग दल से अंकित चौबे उपस्थित थे।

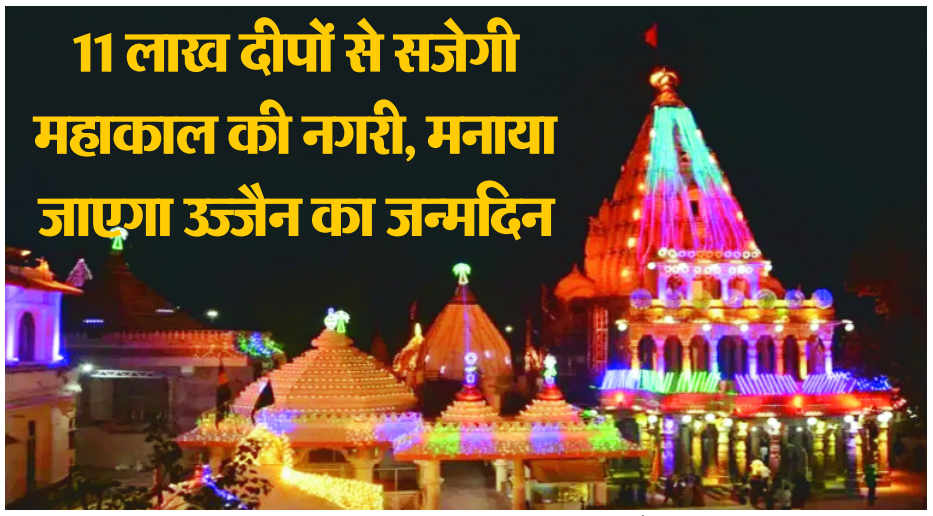

11 लाख दीपों से सजेगी महाकाल की नगरी, मनाया जाएगा उज्जैन का जन्मदिन

जन प्रकाशन ■ उज्जैन

महाशिवरात्रि पर्व का त्यौहार आने ही वाला है। ऐसे में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निर्देश दिए हैं कि अयोध्या कि तर्ज पर उज्जैन नगरी को भी दीपों से रोशन किया जाएगा। इसको लेकर प्रशासन लगातार तैयारियों में लग चुका है।

उज्जैन में पर्यटन और महाकाल की नगरी के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए ये सब आयोजन किए जाएंगे। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, कोठी रोड स्थित बृहस्पति भवन में बैठक का आयोजन हुआ जिसमें मंत्री मोहन यादव, विधायक पारस जैन, कलेक्टर, एसपी सहित कई सामाजिक संगठन, संत समाज शामिल हुए। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि महाशिवरात्रि पर्व पर बाबा महाकाल की नगरी को 11 लाख से ज्यादा दीपों से रोशन किया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस कार्य को पूरा करने के लिए 6 समितियों का गठन किया गया है। ऐसे में 100 दीपक पर एक वालेंटियर तैयार किया जाएगा। साथ ही कुल मिलाकर 10 हजार वालेंटियर टीम के लिए चाहिए होंगे। दरअसल, ये कार्य चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि तेल व दीपक की उपलब्धता करवानी होगी।

6 फरवरी : लता और प्रदीप की यादों का सिलसिला
गीत, लेखक, गायिका तीनों राष्ट्र की धरोहर हो गए

- मनोज कुमार
लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं शोध पत्रिका 'समागम' के संपादक हैं

संगीत के दुनिया के कवि प्रदीप और लताजी दो ऐसे सितारे हैं जो कभी अस्त नहीं होते हैं। 6 फरवरी भारतीय संगीत की दुनिया में बेमिसाल तारीख के रूप में याद किया जाएगा। यह तारीख 2022 के पहले अमर गीतकार प्रदीप के नाम पर था जो आज के दिन ही जन्मे थे तो यह तारीख हर साल मन को पीड़ा देती रहेगी कि इस दिन लताजी हमसे जुदा हुई थी। 'ऐ मेरे वतन के लोगों.. जरा आंख में भर लो पानी...' प्रदीप की अमर रचना थी तो लताजी की आवाज ने उसे चिरस्थायी बना दिया था। आज हमारे बीच न प्रदीप रहे और न लता जी, लेकिन हर पल वे हमारे बीच बने रहेंगे। खैर, अब उन बातों का स्मरण करते हैं जिन्होंने 'लतिका' से लता बनी।

लता मंगेशकर के बारे में इतना कुछ लिखा गया, बोला गया और सुना गया कि अब कुछ शेष नहीं रह जाता है। संगीत की दुनिया से इतर लताजी अपने पीछे जो अपनों के लिए अपनापन छोड़ गईं हैं, उन पर लिखना शेष है। लता जी का बचपन किन संकटों से गुजरा और कैसे उन्होंने यह मुकाम पाया, इसकी कहानी भी अनवरत् लिखी गई है, लेकिन लोगों को यह बात शायद याद में न हो कि लता ने जिस शिद्दत के साथ अपनी हर सांस संगीत को समर्पित कर दिया था, उसी शिद्दत के साथ अपने जीवन का हर पल अपने परिवार को समर्पित कर दिया था। लताजी के स्वर को लेकर हम अभिमान से भर जाते हैं तो एक सबक वे हमें यह भी सिखाती हैं कि परिवार के लिए क्या कुछ करना पड़ता है। गायक-संगीतकार पिता दीनानाथ मंगेश्कर के निधन के बाद घर की बड़ी होने के नाते उन पर पूरे परिवार की जवाबदारी थी। छोटी उम्र में उन्होंने इस जिम्मेदारी को अपने सिर पर लेकर पूरा करने में जीवन खपा दिया।

लता देश की आवाज थीं, यह सबको मालूम है, लेकिन उनका सफर कितना कठिन था, यह बहुत कम लोगों को मालूम होगा। कामयाब शख्स के गीत सभी गाते हैं लेकिन उनके संघर्षों की कहानी उनकी अपनी होती है। एक नामालूम सी गायिका के रास्ते में अनेक रोड़े आए। उनके आत्मविश्वास को डिगाने और हिलाने के लिए भी कोशिशें होती रहीं, लेकिन लता चट्टान सी खड़ी रहीं। आरंभिक दिनों में नकराने और खारिज करने का दंश भी लता को झेलना पड़ा था, लेकिन धुन की पक्की लता धुनी बनकर संगीत की दुनिया में अमर आवाज बन गईं और वे हमेशा देश की आवाज बनी रहेंगी।

साल 1929 के सितम्बर माह की 28 तारीख को गायक-संगीतकार के घर पैदा हुई बड़ी बेटी हेमा। हेमा से लता बन जाने की कहानी भी रोचक है। मराठी ड्रामा कंपनी के संचालक दीनानाथ मराठी नाटक 'भाव बंधन' में लतिका नामक किरदार से प्रभावित

होकर हेमा का नाम बदलकर लता कर दिया। इसी लता को शायद अपने पिता से भय था और कहीं आत्मविश्वास की कमी के चलते वह पांच वर्ष तक अपने पिता के सामने गाने छिपाती रही लेकिन एक दिन पिता के कानों में लता का मधुर स्वर मिश्री की तरह घुल गया। उन्होंने तय कर लिया कि कल से मैं लता को गायन सिखाऊंगा। कहते हैं कि लता सिर्फ दो दिनों के लिए स्कूल गईं, लेकिन संगीत की सम्पूर्ण शिक्षा घर पर ही हुई। लता ने अपना पहला गाना 16 दिसम्बर, 1941 को रेडियो प्रोग्राम के लिए रिकार्ड किया। करीब 4 महीने बाद पिता का देहांत 24 अप्रेल, 1942 को हो गया। इसके साथ ही लता एकाएक बड़ी हो गईं। परिवार की पूरी जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। साथ में तीन बहनें और एक भाई के साथ मां की जवाबदारी। हालांकि इस बीच उनके लिए रिश्ते आने लगे थे लेकिन कम उम्र में सयानी हो चुकी लता ने रिश्ते से इंकार कर दिया, क्योंकि ऐसा नहीं करती तो परिवार की देखभाल कौन करता। फिर तो जिंदगी का पूरा सफर उन्होंने अकेले तय किया। घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए फिल्म में अभिनय करने लगीं, लेकिन जल्द ही उन्हें अहसास हो गया कि वे अभिनय के लिए नहीं बनी हैं।

25 रुपये का मानदेय लताजी के जीवन की सबसे बड़ी पूंजी थी जो उन्हें स्टेज पर गाने के एवज में पहली बार मिला था। मराठी फिल्म 'पहली मंगलागौर' में 13 वर्ष की उम्र में पहली दफा गाना गाया।

जूझते हुए अपना मुकाम बनाते हुए लता के जीवन के 18वें वर्ष में एक नया मोड़ आता है, जब गुलाम हैदर साहब उनकी आवाज से प्रभावित होकर शशधर मुखर्जी से मिलवाते हैं, लेकिन मुखर्जी ने लता की आवाज को पतली कहकर खारिज कर दिया। यह और बात है कि हैदर साहब ने 'मास्टरजी' में लता को पहला ब्रेक दिया। यह भी सुख लता के हिस्से में आया, जब शशधर मुखर्जी ने अपनी गलती मानकर अनारकली और जिद्दी जैसी फिल्मों में अवसर दिया। मास्टर गुलाम हैदर एक तरह से फिल्म इंडस्ट्री में लता के गॉडफादर बने। हैदर साहब ने सिखाया हिन्दी-उर्दू सीखो और हमेशा फील कर गाओ, तो अनिल बिस्वास ने सांस कब लेना और कैसे छोड़ना है।

यह बात आम है कि लता, दिलीप कुमार को अपना भाई मानती थीं, लेकिन इसके पहले का एक किस्सा। लोकल ट्रेन में सफर करते हुए दिलाप कुमार ने लता से पूछा था कि मराठी हो क्या? इस बात से उन्हें ठेस पहुंची और वे एक मौलाना से बाकायदा उर्दू की तालीम हासिल की। अपने उसूलों की पक्की लता ने द्विअर्थी गाना गाने से परहेज किया। अनेक मौके ऐसे आये जब गीतकार को गीत के बोल बदलने पड़े तो कई बार उन्होंने गाने से मनाकर दिया। राजकपूर जैसे को फिल्म संगम का गाना 'मैं का करूं राम मुझे बुड्ढा मिल गया' गाने के लिए घंटों मिन्नत करनी पड़ी। हालांकि राजकपूर के आग्रह पर गाया तो सही लेकिन कहा कि इसे मैंने मन से नहीं गाया।

लता की शोहरत उनके जान की दुश्मन बन गई थी। 33 वर्ष की उम्र में उन्हें धीमा जहर दिया गया, लेकिन आत्मविश्वासी लता अपनों के सहारे उठ खड़ी हुईं। हालांकि यह झूठ फैलाया गया कि वे अभी कभी गाना नहीं गा पाएंगी, लेकिन डॉक्टरों ने ऐसा कभी नहीं कहा था। लताजी ने खुद इस बात का खुलासा करते हुए कहा था कि यह कृत्य करने वाला कौन था, पता चल गया था, लेकिन सबूत के अभाव में कोई कार्यवाही नहीं कर पाए। यह वह दौर था जब मजरूह सुल्तानपुरी, लता का दिल बहलाने के लिए शाम को उनके पास जाकर कविता सुनाया करते थे। इस जानलेवा आफत से मुक्त होने के बाद लताजी ने पहला गाना रिकार्ड किया- 'कहीं दीप जले और कहीं दिल...।'

हेमा से लता बन जाने वाली लता हमेशा से भारतीय सभ्यता और संस्कृति की संवाहक बनी रहीं। उन्होंने अपने जीवनकाल में हजारों गीत गाये, लेकिन एकमात्र विज्ञापन किया। उनकी प्रतिष्ठा संगीत की देवी के रूप में रही। यह संयोग देखिये कि ज्ञान की देवी मां सरस्वती की आराधना कर इस फानी दुनिया को उन्होंने अलविदा कहा। लता गीत गाती थीं, उनका गीत पूरा जमाना गाएगा। कवि प्रदीप के गीत 'ऐ मेरे वतन के लोगों' को सुनकर पंडित जवाहरलाल नेहरू उठकर खड़े हो गए थे और उन्होंने लता से कहा था- तुमने मुझे रूला दिया। आज यही गीत राष्ट्र की धरोहर बन चुका है।

लता मंगेशकर भारत रत्न हैं और यह सम्मान देकर भारत स्वयं को गौरवान्वित महसूस होता है। भौतिक रूप से हम भरे मन से लताजी को अलविदा कह रहे हैं, लेकिन जब तक सूरज चांद रहेगा, लता तेरा नाम रहेगा जैसे शब्द भी छोटे लगते हैं, लेकिन कयामत तक लता को भूल पाना नामुमकिन होगा।

विश्व में इन्दौर का नाम रोशन करने वाली हम सबकी 'लता ताई' अलविदा

जाना था हमसे दूर बहाने बना दिए...

28 सितंबर 1929 को इंदौर के सिख मोहल्ला में रहने वाले मध्यमवर्गीय पं. दीनानाथ मंगेशकर का घर तत्कालीन वाघ साहब के बाड़े में था, ये वही घर था जिसमें लता मंगेशकर का जन्म हुआ। आज भी वह सिख मोहल्ला आबाद है, जहां लताजी का बचपन गुजरा।

हालांकि बाद के वर्षों में जब लताजी और उनका परिवार मुंबई चला गया तो इस घर को एक मुस्लिम परिवार ने खरीद लिया। वर्तमान समय में यहां कपड़े का शोरूम है। यहां लताजी के सम्मान में यहां एक म्यूरल बनाया गया है, जिसमें यह स्मृति दर्ज है कि किसी जमाने में इसी जगह लताजी का जन्म हुआ था।

इस जगह की एक खास बात और है कि यहां केवल लताजी द्वारा गाए गाने ही बजाए जाते हैं। लताजी के पिता पं. दीनानाथ मंगेशकर महाराष्ट्र के कोल्हापुर के पास सांगली में एक नाटक कंपनी चलाते थे, जिसे बंद कर उन्होंने एक फिल्म कंपनी बनाई थी। बाद में वे इंदौर चले आए। उसी दौरान लता मंगेशकर का जन्म हुआ। लताजी पांच भाई-बहनों में सबसे बड़ी थीं। बचपन में वे बड़ी शरारतीं थीं। पिता रंगमंच के कलाकार और गायक थे, इस वजह से परिवार में शुरुआत से ही संगीतनुमा माहौल था। इंदौर में रहते हुए पांच साल की उम्र में ही उन्होंने अपने पिता से गाना सीखना और अभिनय करना शुरू कर दिया था। हालांकि जब वे सात साल की थीं, तब परिवार इंदौर से महाराष्ट्र चला गया था। बाद में जब लताजी महज 13 साल थीं, तभी उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर का निधन हो गया। इस घटना ने लताजी को परिवार और जीवन के प्रति गंभीर बना दिया और नटखट लता ने अपने परिवार को संभालने की जिम्मेदारी बखूबी निभाई। लताजी के साथ तब भाई हृदयनाथ मंगेशकर और बहनें उषा मंगेशकर, मीना मंगेशकर और आशा भोंसले का भी बचपन संघर्षमय बीता।

बचपन में किसी ने लता का कह दिया कि मिर्ची खाओगी तो आवाज ज्यादा सुरीली हो जाएगी। फिर क्या था, बालिका लता ने मिर्ची खाना शुरू कर दी। यहां तक कि वे एक दिन में 10 से 12 मिर्चियां तक खाने लगीं। आवाज के सुरीलेपन में मिर्च का क्या योगदान है, यह तो वाग्देवी मां सरस्वती जानें, किंतु इस तीखे के अलावा लताजी इंदौर की मीठी जलेबी की भी शौकीन थीं। उन्हें इंदौर में लगने वाली प्रसिद्ध खाऊ गली के गुलाब जामुन, रबड़ी और दही बड़े बहुत पसंद थे। वे जब-जब इंदौर आईं, उन्होंने यहां जमकर खाया।

लताजी की अभिनेत्री के रूप में पहली फिल्म पाहिली मंगलागौर (1942) रही, जिसमें उन्होंने स्नेहप्रभा प्रधान की छोटी बहन की भूमिका निभाई। बाद में उन्होंने माझे बाल, चिमुकला संसार (1943), गजभाऊ (1944), बड़ी मां (1945), जीवन यात्रा (1946), मांद (1948), छत्रपति शिवाजी (1952) आदि फिल्मों में भी अभिनय किया।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि लता जी का जन्म इंदौर में हुआ था। राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि इंदौर में भारत रत्न स्वर कोकिला सुश्री लता मंगेशकर के नाम से संगीत अकादमी, संगीत महाविद्यालय और संग्रहालय स्थापित किया जाएगा। इंदौर में ही सुश्री लता मंगेशकर की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। संग्रहालय में लता जी का संगीत को दिया गया संपूर्ण योगदान उपलब्ध रहेगा। संगीत शास्त्र के विशेषज्ञों से चर्चा कर संग्रहालय का स्वरूप निर्धारित कर इसका निर्माण किया जाएगा। लता जी केवल संगीत की रोशनी नहीं थी, वे देशभक्ति का भी ऐसा हस्ताक्षर थी, जिससे पूरा देश प्रेरणा लेता था। लता जी के जन्म-दिन पर प्रतिवर्ष लता मंगेशकर पुरस्कार भी दिया जाएगा।

इंदौर में स्थापित होगी लता जी की प्रतिमा, संगीत अकादमी तथा महाविद्यालय और संग्रहालय

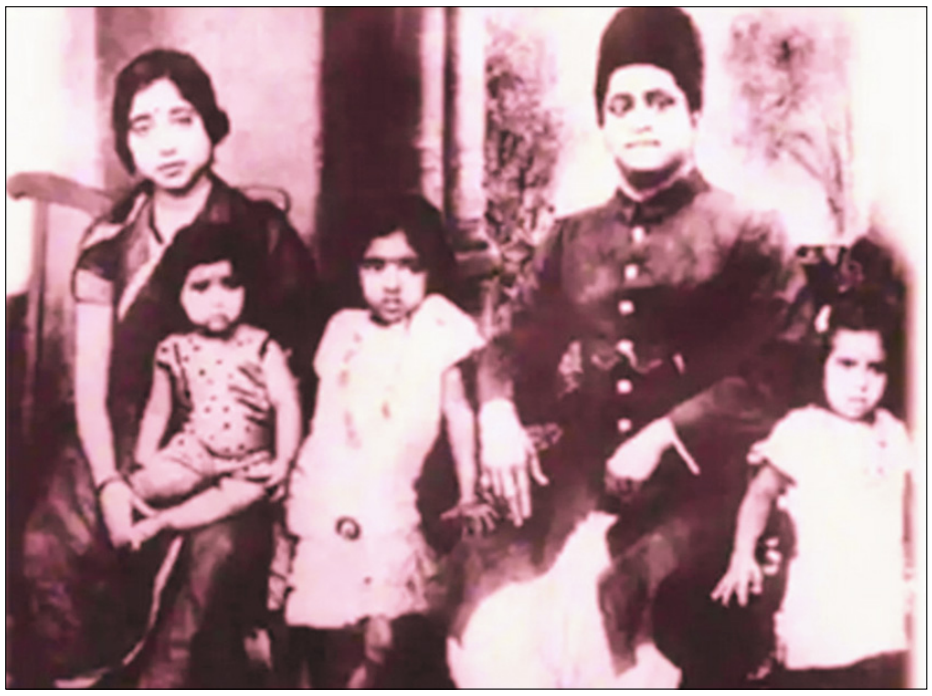

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत रत्न स्वर कोकिला स्व. सुश्री लता मंगेशकर की स्मृति में विगत दिवस स्मार्ट उद्यान में वट वृक्ष रोपा। मुख्यमंत्री ने पौध-रोपण से पूर्व स्मार्ट उद्यान में सुश्री लता मंगेशकर के चित्र पर माल्यार्पण कर

श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

मुख्यमंत्री के साथ भोपाल से संगीत एवं गायन के क्षेत्र में अपना योगदान देने वाले ख्यातनाम पंडित सज्जन लाल ब्रह्मभट्ट, उमाकांत गुंदेचा, सुश्री कीर्ति सूद, सुश्री आकृति मेहरा, सुश्री धानी गुंदेचा, दिलीप महाशब्दे, साजिद खां और सलीम अल्लाहवाले ने मौलश्री और केसिया के पौधे लगाए।

मुख्यमंत्री ने स्वर कोकिला सुश्री लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि लता जी का जाना व्यक्तिगत क्षति है। प्रत्येक भारतवासी को यह लग रहा है कि यह उसकी व्यक्तिगत क्षति है। हर घर-परिवार को यह लग रहा है कि उनका बहुत कुछ चला गया, उनके गीत लोगों में नव-उत्साह, नव-ऊर्जा का संचार करते हैं। ए मेरे वतन के लोगों गीत भारत की जनता के रोम-रोम में जैसे रम गया है। लता जी के स्वर ने संगीत को और उनके संपूर्ण योगदान ने देश को एक अलग पहचान दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लता जी के अवसान से ऐसी रिक्तता आयी है, जिसकी भरपाई संभव ही नहीं है। मैं स्वयं व्यक्तिगत स्तर पर भी इस रिक्तता का अनुभव कर रहा हूँ। उन्होंने कहा कि जब भी समय मिलता, तब लता जी का संगीत सुनना मेरी रुचि रही है। उनका जाना ऐसी क्षति है, जिसकी पूर्ति कभी नहीं हो सकती। लता जी अपने गीतों के माध्यम से सदैव हमारे बीच बनी रहेंगी। मुख्यमंत्री ने भावुक होते हुए कहा कि- दीदी हम तुम्हें भुला न पाएँगे, लता जी के चरणों में विनम्र श्रद्धांजलि।

अब शहर में बिना कंडक्टर सिटी बसें चलेंगी

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

इन्दौर शहर में सिटी बस में सफर करने वालों को नई सौगात मिलने वाली हैं। यहाँ बीआरटीएस पर कंडक्टर-लेस बसें चलाने, आधुनिक बसों, इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन, शेयरिंग साइकिल से लेकर किराए में छूट तक शामिल है। एआईसीटीएसएल की बसों में सफर करने वाले यात्रियों को अब किराए में छूट की सुविधा भी मिलेगी। शहर के रूट नंबर 15 व 5 यानी संगम नगर से खजराना और रिंगरोड पर सफर करने वाले यात्रियों को यह छूट मिलेगी। डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के लिए इन रूटों पर कैश लेस ट्रांजेक्शन पर यात्रियों को किराए में 20 प्रतिशत छूट दी जाएगी। इन कंडक्टरलेस बसों में स्मार्ट कार्ड का उपयोग कर यात्री टेप इन-टेप आउट तकनीक के माध्यम से इन बसों में यात्रा कर सकेंगे।

फेम इंडिया योजना के दूसरे चरण में शहर में अलग-अलग जगह पर 37 इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। आने वाले समय में ऐसे कुल 76 चार्जिंग स्टेशन तैयार किए जाएंगे। वहीं महू, पीथमपुर, देपालपुर, सांवेर में भी इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन बनाने की योजना है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए 'अमृत योजना' के दूसरे चरण में 80 इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएंगी। इनमें से 50 बसें शहर में और 30 बसें बीआरटीएस पर चलेंगी।

जीपीएस से हो रही है मॉनीटरिंग ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त न हो इसके लिए

पटरियों व यात्रियों की सुरक्षा के लिए अब रेलवे ने ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम का सहारा लेना शुरू किया

ग्वालियर (एजेंसी)। पटरियों व यात्रियों की सुरक्षा के लिए अब रेलवे ने ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) का सहारा लेना शुरू किया है। मथुरा- पलवल रेलमार्ग पर हुए मालगाड़ी हादसे के बाद रेलवे के अफसरों ने ग्वालियर में ट्रैक पर गश्त करने वाले ट्रैकमैन व कीमैन को 134 जीपीएस डिवाइस उपलब्ध कराई हैं। गश्त के दौरान यदि कहीं भी पटरी क्षतिग्रस्त नजर आती है या अन्य कोई गड़बड़ी मिलती है, तो ट्रैकमैन तुरंत ही इन डिवाइस के जरिए कंट्रोल रूम को सूचित कर सकते हैं।

कंट्रोल रूम में मौजूद मानिटरिंग सिस्टम पर तुरंत ही उस जगह की लोकेशन दिखने लगेगी और गड़बड़ी को दूर करने के लिए त्वरित कदम उठाए जा सकेंगे। इसके अलावा इस व्यवस्था से यह भी निगरानी की जा सकेगी कि ट्रैकमैन और कीमैन ने गश्त के दौरान कहां से कहां तक की दूरी तय की है। इससे यह भी सुनिश्चित हो सकेगा कि ट्रैकमैन अपनी ड्यूटी ईमानदारी से कर रहे हैं। इसका पूरा रिकार्ड झांसी स्थित कंट्रोल रूम में दर्ज किया जा रहा है। यदि ट्रैकमैन को निगरानी के दौरान पटरी पर कोई भी फ्रैक्चर या गड़बड़ी नजर आती है, तो वह तुरंत ही इस डिवाइस का उपयोग कर कंट्रोल रूम को सटीक लोकेशन भेज सकेगा। वहां से तुरंत ही कैरिज एंड वैगन विभाग के कर्मचारियों को सूचित किया जाएगा और वे ट्रैक में आई दिक्कत को दूर करेंगे।

मनोज कुमार सिंह
पीआरओ, रेल मंडल झांसी

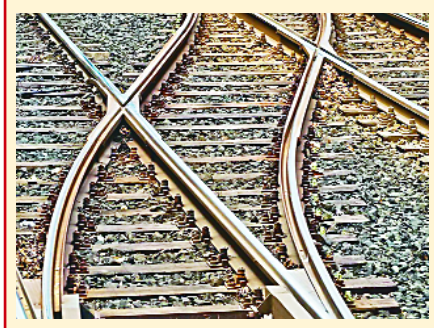

रेल ट्रैक की निगरानी और कोई गड़बड़ी होने पर तुरंत सूचना देने के लिए ट्रैकमैन और कीमैन को जीपीएस की 134 डिवाइस दी हैं। इन डिवाइस के जरिए ट्रैक की गड़बड़ी की सटीक लोकेशन मिलती है और तुरंत ही गड़बड़ी को सुधारा जा सकता है।

टोल टैक्स वसूल रही कंपनी ने शासन को लगाया 23.37 करोड़ का चूना

मामला दर्ज : संयुक्त खाते से दो वर्ष में निजी खाते में ट्रांसफर किए रुपये

FILE PHOTO

जन प्रकाशन ■ उज्जैन

उज्जैन-उन्हेल-नागदा-जावरा रोड पर टोल टैक्स वसूलने वाली कंपनी ने सरकार को 23 करोड़ 37 लाख रुपये का चूना लगाया है। मामला पकड़ने में आने पर मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) ने कंपनी के निदेशक सुरेंद्र चंपालाल लोढ़ा और दीपक मनोहर कटकवार के खिलाफ नीलगंगा थाने में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है।

एमपीआरडीसी के संभागीय प्रबंधक एसके मनवानी के अनुसार- 20 वर्ष की बीओटी परियोजना अंतर्गत उज्जैन- उन्हेल- नागदा- जावरा मार्ग टूलेन निर्माण करने का अनुबंध साल-2010 में मेसर्स टापवर्थ टोलवेज उज्जैन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से किया गया था। मार्ग का निर्माण जून-2013 में पूर्ण कर लिया गया था। कंपनी को निर्माण पश्चात चार पहिया, छह पहिया वाहन चालकों से टोल टैक्स वसूल करने का अधिकार दिया था। कंपनी का दायित्व था कि वह टोल टैक्स की राशि एस्क्रो खाते में जमा कराए। कंपनी ने राशि जमा की मगर बिना अनुमति के स्वयं के विभिन्न खातों में, स्वयं के लाभ के लिए राशि ट्रांसफर कर ली। इससे शासन को नुकसान हुआ इसलिए कंपनी के निदेशक सुरेंद्र चंपालाल लोढ़ा और दीपक मनोहर कटकवार के खिलाफ धारा 420 और 409 में केस दर्ज कराया है।

अब एनसीएलटी के नियंत्रण में टोल

मेसर्स टापवर्थ टोलवेज उज्जैन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को डिफाल्टर घोषित करने के बाद उज्जैन- उन्हेल- नागदा- जावरा रोड की टोल टैक्स वसूली अब नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) कोर्ट के कंट्रोल में है।

एस्क्रो अकाउंट क्या है?

एस्क्रो अकाउंट मुख्य रूप से किसी बैंक या फाइनेंसिंग एजेंसी में विक्रेता और खरीददार दोनों के लिए खोला जाता है। यह खाता खरीददार और विक्रेता की डील को पक्का करता है और एक-दूसरे के माल व पैसा समय से मिलेगा या नहीं, दोनों के बीच इस डर को खत्म करता है। एमपीआरडीसी के केस में टोल प्लाजा कंपनी ने विभिन्न बैंक से करोड़ों रुपये कर्ज ले रखा है।

खनिज के अवैध परिवहन में जुर्माना नहीं देने पर वाहन होंगे राजसात

अलग-अलग नियमों को समाप्त करके लागू किए जाएंगे नए मध्य प्रदेश खनिज नियम

कैबिनेट में रखा जाएगा प्रस्ताव

जन प्रकाशन ■ भोपाल

प्रदेश में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर कार्रवाई करने के लिए अब एक नियम होगा। इसके लिए सरकार मध्य प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम-2021 लागू करने जा रही है। इसमें खनिज के अवैध परिवहन पर अब वाहन, जुर्माना नहीं देने की सूरत में राजसात किए जाएंगे। अवैध उत्खनन एवं भंडारण के मामले में रायल्टी का 15 गुना तथा इसके बराबर राशि पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में ली जाएगी। जुर्माना राशि जमा नहीं करने पर जब्त वाहन और मशीनों को राजसात करने के साथ दंड की राशि दोगुनी किया जाना प्रस्तावित किया गया है।

प्रदेश में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए नियमों में संशोधन के लिए मंत्री समिति बनाई गई थी। समिति ने मध्य प्रदेश गौण खनिज नियम 1996, मध्य प्रदेश खनिज नियम 2006 और मध्य प्रदेश रेत नियम 2019 को निरस्त करके एक ही नियम बनाने की सिफारिश की थी।

इसके मद्देनजर खनिज विभाग ने नए नियम प्रस्तावित किए हैं। इसमें प्रविधान किया गया है कि अवैध परिवहन के मामले में जब्त खनिज की रायल्टी का 15 गुना तथा वाहन क्षमता अनुसार पर्यावरण क्षति की राशि अर्थदंड के रूप में अधिरोपित की जाएगी। जुर्माना न चुकाने पर इसे दोगुना करने के साथ वाहन राजसात किया जाएगा। परमिट में दर्ज मात्रा से अधिक का परिवहन पाए जाने पर अधिक मात्रा के खनिज की रायल्टी का 15 गुना और वाहन क्षमता के अनुपातिक रूप में पर्यावरण क्षति दंड के रूप में ली जाएगी।

जुर्माना राशि जमा नहीं करने पर यह दोगुनी हो जाएगी पर वाहन राजसात नहीं किया जाएगा। राशि जमा करने पर जब्त वाहन उसके मालिक को दे दिया जाएगा। पुलिस यदि कोई मामला पकड़ती है तो इसकी सूचना अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को देनी होगी। जुर्माने की राशि जमा नहीं करने पर भू-राजस्व की तरह संपत्ति नीलाम करके वसूली जाएगी।

FILE PHOTO

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक मनोज कुमार चौबे के लिए डीबी कॉर्प लि., 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर-एफ, इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर (म.प्र.) से मुद्रित तथा 102-ए, अरण्य स्कीम नं. 78, एस-5, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **सम्पादक :** मनोज कुमार चौबे (मो. 9200031247) ● RNI No. MPHIN/2013/50913
● डाक पंजीयन क्रं. : MP/IDC/1543/2020-2022 (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र इन्दौर रहेगा)